**भारत सरकार**

**नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं. 4048**

**बुधवार, दिनांक 12 अगस्त, 2026 को उत्तर दिए जाने हेतु**

**<u>जायकवाड़ी बांध पर तैरती सौर ऊर्जा परियोजना</u>**

**4048. श्री सुधीर गुप्ता:** क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कॉन्फ्रेंस ऑफ़ पार्टीज (सीओपी26) के अंतर्गत नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों के संबंध में वर्तमान स्थिति क्या है और कितनी प्रगति की गई है;

(ख) क्या नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन (एनटीपीसी) द्वारा महाराष्ट्र के पैठण स्थित जायकबाड़ी बांध पर 1,342 मेगावाट से 1,350 मेगावाट की अनुमानित क्षमता वाली एक विशाल तैरती सौर ऊर्जा परियोजना की योजना बनाई गई है;

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इससे महाराष्ट्र के सूखाग्रस्त और पिछड़े मराठवाड़ा क्षेत्र को क्या सामाजिक-आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है;

(घ) उक्त परियोजना के पूरा होने में बिलंब के क्या कारण हैं; और

(ङ.) क्या उक्त परियोजना के लिए आवश्यक पर्यावरणीय मंजूरी प्राप्त कर ली गई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसे किस समय-सीमा तक पूरा किए जाने की संभावना है?

**उत्तर**

**नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री**

**(श्री श्रीपाद येसो नाईक)**

(क) जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC) के पक्षकारों के सम्मेलन (COP26) में माननीय प्रधानमंत्री की घोषणा के अनुरूप, भारत ने अगस्त 2022 में यूएनएफसीसीसी (UNFCCC) को अपना अद्यतन राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDC) प्रस्तुत किया, जिसमें 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन-आधारित ऊर्जा संसाधनों से लगभग 50 प्रतिशत कुल विद्युत शक्ति स्थापित क्षमता प्राप्त करना शामिल है। भारत ने यह लक्ष्य निर्धारित समय सीमा से लगभग पांच वर्ष पहले जून 2025 में हासिल कर लिया।

दिनांक 30.06.2026 की स्थिति के अनुसार, देश में कुल 288.59 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित की गई है, जो 297.36 गीगावॉट की कुल गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता में योगदान करती है, जो देश में स्थापित कुल विद्युत क्षमता का 54.18 प्रतिशत है।

(ख) से (ड.) राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) लिमिटेड द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड द्वारा जायकवाड़ी बांध पर फ्लोटिंग सौर विद्युत परियोजना की स्थापना के मूल्यांकन के लिए प्रारंभिक कार्यकलाप चल रहे हैं और इस तैरती सौर परियोजना के संबंध में अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

*****